प्रथमः पाठः

सरस्वती-वन्दना

सरस्वति नमस्तुभ्यम्
वरदे कामरूपिणि।
विद्यारम्भम् करिष्यामि
सिद्धिर्भवतु मे सदा।।

● **अर्थः**

वर देने वाली तथा इच्छाओं को पूर्ण करने वाली हे सरस्वती देवी! आप को नमस्कार है। मैं विद्या का आरम्भ करूँगा/करूँगी। मेरी हमेशा सफलता हो।

Scanned with CamScanner

शब्दार्थाः (Word Meanings)

सरस्वति	—	हे विद्या की देवी! (o goddess of knowledge!)	नमः	—	प्रणाम, नमस्कार (reverence/deferential salutation)
तुभ्यम्	—	तुमको (for you)	कामरूपिणि	—	हे इच्छाओं को पूर्ण करने वाली! (pleasing/desire fulfilling)
वरदे	—	हे वरदान देने वाली! (o boon giving!)	विद्या	—	ज्ञान (knowledge)
आरम्भम्	—	शुरू (start)	सिद्धि	—	सफलता (success)
भवतु	—	होवे/हो (let it be)	करिष्यामि	—	करूँगा/करूँगी (I shall do)
मे	—	मेरी (my)	सदा	—	हमेशा (always)

अभ्यासकार्यम् (Exercise)

मौखिकम् (Oral)

1. अधोलिखितानां शब्दानाम् उच्चारणं कुरुत।
(नीचे लिखे शब्दों का उच्चारण कीजिए।)
(Read out the following words.)
सरस्वति, तुभ्यम्, विद्या, आरम्भम्, नमः, रूपिणि, सिद्धिः, करिष्यामि

लिखितम् (Written)

2. अधोलिखितान् प्रश्नान् उत्तरत।
(नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए।)
(Answer the following questions.)
(i) कस्यै नमः? (ii) किम् करिष्यामि? (iii) का भवतु?

3. समुचितं उत्तरं चित्वा लिखत।
(उचित उत्तर चुनकर लिखिए।)
(Write an appropriate answer choosing from the options given.)
(i) 'सरस्वती' पदस्य पर्यायः भवति _____

Scanned with CamScanner